गुरुपूर्णिमा

डिजिटल युग में तकनीक बनी सीखने का माध्यम, लेकिन जीवन के मूल्यों और संस्कारों के लिए गुरु आज भी सर्वोपरि

आधुनिक दौर में भी कायम है गुरु-शिष्य परंपरा

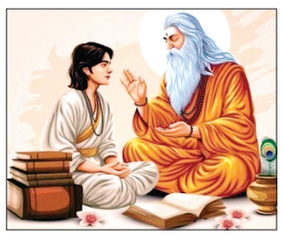

नवभारत , जबलपुर । आज यानि 29 जुलाई को पूरे देश में श्रद्धा और आस्था के साथ गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन विद्यार्थी, शिष्य और श्रद्धालु अपने गुरु, शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, आश्रमों और धार्मिक स्थलों पर गुरु पूजन, भजन, सत्संग और सम्मान समारोह आयोजित किए जाते है । गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह हमें उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है, जिन्होंने जीवन के किसी भी मोड़ पर हमारा मार्गदर्शन किया। बदलते समय में तकनीक भले ही आगे बढ़ रही हो, लेकिन गुरु का स्थान आज भी सर्वोच्च माना जाता है।

एआई और डिजिटल युग में भी गुरु की भूमिका अहम

भारतीय संस्कृति में गुरु को ज्ञान और संस्कार का स्रोत माना गया है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन की सही दिशा भी दिखाते हैं। इसलिए गुरु पूर्णिमा का महत्व धार्मिक होने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी विशेष है। समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। आज डिजिटल शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कई माध्यम उपलब्ध हैं, लेकिन अनुभव, प्रेरणा और व्यक्तित्व निर्माण में गुरु की भूमिका आज भी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है।

इनका कहना है

गुरु पूर्णिमा हमारे लिए अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है। आज ऑनलाइन पढ़ाई और एआई जैसे कई साधन उपलब्ध हैं, लेकिन शिक्षक का मार्गदर्शन और प्रेरणा किसी तकनीक से नहीं मिल सकती। गुरु ही हमें अच्छी शिक्षा के साथ सही सोच और जीवन के मूल्य भी सिखाते हैं ।

काजल लोधी , द्वितीय वर्ष कॉलेज स्टूडेंट

आज के समय में जानकारी हर किसी के पास है, लेकिन उस जानकारी का सही उपयोग कैसे करना है, यह गुरु ही सिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा हमें अपने शिक्षकों के योगदान को याद करने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा देती है। हमें हमेशा अपने गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

नमामि पटेल , प्रथम वर्ष कॉलेज स्टूडेंट

आज के डिजिटल युग में जानकारी हासिल करना आसान हो गया है, लेकिन सही दिशा दिखाने का काम गुरु ही करते हैं। गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि हमारी सफलता के पीछे हमारे शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए हर विद्यार्थी को अपने गुरु का सम्मान और आभार हमेशा व्यक्त करना चाहिए।

अंकिता आर्मो , प्रथम वर्ष कॉलेज स्टूडेंट

महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ी

नवभारत, जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर देने के लिए अंतिम तिथि 15 जुलाई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर के प्रवेश मेला संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए महाविद्यालय परिसर में प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक प्रवेश मेला आयोजित किया जा रहा है, जहाँ विद्यार्थियों को हर संभव सहायता मिल रही है। स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्र यहाँ पहुंचकर एक ही दिन में पंजीयन, चॉइस फिलिंग और सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं और आवंटन के बाद निर्धारित समय में शुल्क भुगतान कर अपना प्रवेश पक्का कर सकते हैं। महाविद्यालय प्रशासन और प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने सभी पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें, जिससे उन्हें मनपसंद विषयों में प्रवेश मिले और तकनीकी दिक्कतों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए मार्गदर्शन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि हर पात्र विद्यार्थी समय पर प्रवेश सुनिश्चित कर सके।

बाबा बैजनाथ धाम के लिए निकली कांवड़ यात्रा

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा हाथीताल गुप्तेश्वर महादेव से शुरू हुई आस्था की डगर, सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बैजनाथ धाम पहुंचेंगे शिवभक्त

नवभारत, जबलपुर। श्रावण मास की पावन बेला में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा, भक्ति और निष्ठा का अद्भुत दृश्य रविवार को जबलपुर के हाथीताल क्षेत्र में देखने को मिला। आदर्श केसरवानी वैश्य समाज संगठन के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ रवाना हुई।

ढ़ोल नगाड़ों की गूंज से शिवमय हुआ वातावरण

ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और 'बोल बम', 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। भगवा वस्त्र धारण किए श्रद्धालु हाथों में सजी-धजी कांवड़ लेकर उत्साह और भक्ति के साथ यात्रा पर निकले। यात्रा बिहार के सुल्तानगंज पहुंचेगी, जहां से श्रद्धालु उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल भरेंगे, इसके बाद सभी कांवड़िए झारखंड स्थित बाबा बैजनाथ धाम पहुंचकर श्रावण माह के प्रथम सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे और भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। कांवड़ यात्रा को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के अनुज लेखराज सिंह मुन्ना भैया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा की श्रावण मास में शिवभक्ति का यह पुण्य अवसर समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा, सेवा और सद्भाव का संदेश देता है। इस अवसर पर पुरुषोत्तम गुप्ता, राजेश केसरवानी, पार्षद राजकुमार पटेल, राहुल गुप्ता, ज्ञानेन्द्र तिवारी, हरिवंश गुप्ता, सोनू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजके गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर में

भगवान जगन्नाथ मौसी के घर से आज लौटेंगे अपने धाम

नवभारत, जबलपुर। भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र एवं बहन देवी सुभद्रा के साथ मौसी के घर में विश्राम करने के बाद बारह दिनों बाद आज अपने धाम वापस लौटेंगे। वात्री साहू समाज द्वारा संचालित जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज 29 जुलाई को शाम 5 बजे बड़ी खेरमाई मंदिर से निकाली जाएगी। इस मौके पर साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया कि रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी भाई बहन के साथ भक्तों को दर्शन देते हुए अपनी मौसी के घर विश्राम करने जाते हैं। परंपरा के अनुसार साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली रथयात्रा के पश्चात भगवान अपने मंदिर से बड़ी खेरमाई मंदिर स्थित सिंहवाहिनी मंदिर में अपनी मौसी के घर विराजित होते हैं, जहां से बारह दिन बाद वापसी रथयात्रा निकाली जाती है और भगवान पुनः अपने मंदिर में विराजित होते हैं। यह वापसी रथयात्रा आज बड़ी खेरमाई मंदिर से प्रारम्भ होकर हनुमानताल, घोड़ानक्कास, मिलोनीगंज चौक, कोतवाली, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा और चरहाई होते हुए गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला में संपन्न होगी। वात्री साहू समाज द्वारा सभी श्रद्धालुओं से इस वापसी रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है।

कालीमठ आमनपुर मदनमहल में आज होगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

नवभारत, जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ मां निरंकार कालीमठ आमनपुर मदनमहल में आज 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व पर मां काली का षोडशोपचार विधि से सुबह 6:00 बजे से महाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे से कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद महाराज का पादुका पूजन प्रारंभ होगा।

हिंदी कार्यशाला में अधिकारियों को दी राजभाषा नीति की जानकारी

नवभारत, जबलपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्रमांक 3, व्हीएफजे के तत्वावधान में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन 27 एवं 28 जुलाई को किया गया। कार्यशाला में नराकास के सदस्य कार्यालयों के कार्मिक शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जबलपुर में नगर राजभाषा समिति क्रमांक 3, व्हीएफजे का गठन हाल ही में किया गया है और इसकी अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक, व्हीएफजे को सौंपी है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (क्रमांक 3) में जबलपुर में स्थित 31 केंद्रीय कार्यालयों को शामिल किया गया है, जिसके अधिकारी और कर्मचारी इसमें शामिल हुए। शुरुआत में सदस्य सचिव नराकास दीपक पाण्डेय, कार्य प्रबंधक ने उपस्थित सभी का अभिवादन किया तथा सभी से अपने-अपने कार्यालय में अधिकाधिक कार्य हिंदी में किए जाने की अपील की। इस दौरान हिंदी कार्यशाला में हिंदी शिक्षण योजना मुंबई के पूर्व उपनिदेशक राजेंद्र वर्मा, राजभाषा विभाग नई दिल्ली की तकनीकी टीम से संतोष चौहान, सेंट एलायसिस कॉलेज से डॉ. रीना थॉमस तथा व्हीएफजे से सुबी सैमुअल, कनिष्ठ कार्य प्रबंधक, आईटी ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन एवं राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के लिए महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के अंत में रमा दीक्षित, अनुभाग प्रमुख/राजभाषा ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुसार हिंदी में कामकाज करने की अपील की तथा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा के नवगठित पदाधिकारियों ने ग्रहण की शपथ

नवभारत, जबलपुर। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा, जबलपुर के समस्त प्रकोष्ठों की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह डिसिल्वा स्कूल, बलदेवबाग चौराहा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पंडित अशोक मिश्रा (बप्पा महाराज) थे, जबकि अध्यक्षता ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पंडित मुन्नालाल दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिवक्ता पंडित मनीष मिश्रा और डॉ. अरुण मिश्रा उपस्थित रहे। पंडित शिवगणेश गौतम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन से शुरू हुए इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने इसे सनातन संस्कृति के संरक्षण और ब्राह्मण समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प का पावन उत्सव बताया।

एकजुट होकर कार्य करने का किया आह्वान

इस दौरान महासभा के मुख्य अध्यक्ष मुन्नालाल दुबे, महासचिव दिलीप दुबे और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण मिश्रा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज सेवा और संगठन की एकता के लिए समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कीर्ति अभिलाष पांडे और महासभा के संस्थापक वीरेन्द्र तिवारी ने नवगठित कार्यकारिणी को पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन पंडित दिलीप दुबे ने और आभार प्रदर्शन संस्थापक पंडित वीरेन्द्र तिवारी ने किया। इस दौरान डॉ. एच.पी तिवारी, पं. यदुवंश मिश्रा, दीपांशु शुक्ला, शिवगणेश गौतम, महेश स्थापक, योगेंद्र मालवीय, अरुण तिवारी, के. के. शुक्ला, सत्यानंद शुक्ला, पवन दुबे, सार्थक शर्मा, एड. अनिल दुबे, सुनील शर्मा सहित महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष मीरा दुबे, जागृति शुक्ला, प्रमिता शर्मा, ज्योति उपाध्याय, मिथिलेश तिवारी, वनिता मालवीय, सुनीता मिश्रा, सरोज, कल्पना तिवारी, रेणुका तिवारी, रंजना तिवारी, पंकजा शुक्ला और चंद्रा दीक्षित मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

शक्ति स्वरूपा क्लब ने बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

नवभारत, जबलपुर। शक्ति स्वरूपा क्लब द्वारा पड़वार कला के स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय स्कूल में बच्चों को पठन-सामग्री, खिलौने, कपड़े और पौष्टिक नाश्ते का वितरण किया गया। नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए क्लब ने प्रांगण में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत फलदार और छायादार पौधे रोपे। दोपहर को शुरू हुए इस कार्यक्रम के लिए क्लब की सभी सदस्य पारंपरिक ऑरेंज साड़ी पहनकर अध्यक्ष विनीता सिंह यादव के निवास पर एकत्रित हुईं और वहां से सामूहिक रूप से स्कूल पहुंचीं।

चित्रकला और नृत्य प्रतियोगिता में बांटे उपहार

इस दौरान स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता संपन्न कराकर सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए स्टेशनरी, कॉपियां और पेंसिल दी गईं, वहीं छोटे बच्चे खिलौने और वस्त्र पाकर बेहद खुश नजर आए। इस सामाजिक आयोजन को सफल बनाने में क्लब की डायरेक्टर रेखा विनोद जैन, अध्यक्ष विनीता सिंह यादव, सचिव संगीता त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष मनीषा अवस्थी, सुधा जायसवाल, रश्मि मेहता और अर्चना कनोजिया सहित सभी सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही।

घोड़ा अस्पताल वाले बाबा का उर्स परचम कुशाई के साथ शुरू

नवभारत, जबलपुर। हजरत सैय्यद अली हसन शाह अशरफी उल जिलानी, घोड़ा अस्पताल वाले बाबा के उर्स मुबारक के पहले दिन मंगलवार को परचम कुशाई के साथ उर्स की शुरुआत हुई।

इस दौरान पीर-ए-तरीकत हजरत सूफी मोहसिन मियां कादरी चिश्ती अबुलउलाई की सरपरस्ती में परचम कुशाई की गई। उनके साथ मौजूद सभी अकीदतमंदों ने परचम कुशाई के बाद देश की तरक्की और खुशहाली के लिए सामूहिक रूप से दुआएं मांगीं। दरगाह कमेटी ने सभी अकीदतमंदों से उर्स के इस मुबारक मौके पर बड़ी संख्या में शामिल होने की गुजारिश की है। उर्स मुबारक के दूसरे दिन बुधवार को सुबह 9 बजे से दरगाह परिसर में कुरान ख्वानी का आयोजन किया गया है। इसी के साथ रात 9 बजे नातिया मुशायरा आयोजित किया जाएगा, जिसमें पीर-ए-तरीकत हजरत सूफी मोहसिन मियां कादरी चिश्ती अबुलउलाई की सरपरस्ती में शायर उस्ताद असलम माजिद, मक़बूल अली क़ादरी, नवाब कौसर, मक़बूल ज़फ़र, इज़हार रज़ा, शाहनवाज़ मेहवर और उबैद मुहसिन अपने कलाम पेश करेंगे। परचम कुशाई की रस्म के दौरान सैय्यद आजाद अली, मुईन खान, खादिम-ए-आस्ताना अब्दुल रशीद, मौलाना सूफी रज़ा कादरी चिश्ती, सलीम खान, सूफी जावेद चिश्ती, पत्रकार मोहम्मद शरीफ, सूफी मुशाहिद कादरी, सूफी बिलाल कादरी, सूफी उवेद मोहसिनी और सूफी आदिल सहित तमाम अकीदतमंद उपस्थित रहे।

1980 बैच ने पं. लज्जाशंकर झा स्कूल में किया पौधरोपण

नवभारत, जबलपुर। पं. लज्जाशंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संस्थापक की 153वीं जन्मजयंती पर मॉडेलियन 1980 बैच द्वारा विद्यालय में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डॉ. नवीन शर्मा, विशिष्ट अतिथि जस्टिस श्रवण शंकर झा, मॉडेलियन सचिव हिमांशु राय, शाला प्राचार्य डॉ. संजय परिहार, मिडिल स्कूल प्राचार्या नीलिमा चौबे, पूर्व शिक्षक डॉ. एच.पी. स्थापक एवं आर.के. जैन ने पूर्व छात्रों, गुरुजनों और वर्तमान विद्यार्थियों के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

विद्यालय परिसर में औषधीय पौध वाटिका स्थापित

इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के मिडिल स्कूल प्रांगण में एक औषधीय पौध वाटिका की स्थापना की गई, जिसके तहत विभिन्न प्रजातियों के 26 औषधीय पौधों तथा 16 अन्य उपयोगी, छायादार एवं फलदार पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान संयोजक युवराज जैन गढ़ावाल ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र जैसी गंभीर चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की, जबकि पौधारोपण कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शैलेंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। अंत में संजय साहनी, शशांक मेहता, कपिल शुक्ला, राजकुमार दीक्षित सहित उपस्थित सभी पूर्व छात्रों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में संजय साहनी ने आभार व्यक्त किया।

गीता धाम में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन

नवभारत, जबलपुर। गौरीघाट स्थित श्री गीता धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का विश्राम हुआ। कथा के अंतिम दिन श्रीमद् जगद्गुरु डॉ. स्वामी नरसिंहदेवाचार्य जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। महाराज ने श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का मार्मिक वर्णन करते हुए उपस्थित जनसमुदाय को भक्ति, वैराग्य एवं धर्ममय जीवन का संदेश दिया। महाराज ने कहा कि धर्म अध्यात्म से जुड़े साधकों को भगवत आराधना के साथ हमेशा निष्काम भाव से कार्य करना चाहिए, जिससे जीवन में अज्ञान और पाप का नाश होता है।

श्रीमद्भागवत भगवान का साक्षात् स्वरूप है

महाराज ने प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान का साक्षात् स्वरूप है और जो भी श्रद्धा व विश्वास के साथ इसका श्रवण करता है, उसे ईश्वरीय कृपा प्राप्त होती है। महाराज ने सुदामा चरित्र को सच्ची मित्रता व निष्काम भक्ति का सर्वोच्च आदर्श बताया, जबकि परीक्षित मोक्ष के प्रसंग को सत्संग से जुड़ने की प्रेरणा का माध्यम कहा। इस पावन धार्मिक अवसर पर मुख्य रूप से पंडित रोहित दुबे, पार्षद प्रतिभा विध्येश भापकर, अरविन्द तिवारी, श्रीराम पांडे, इंदु राजेन्द्र प्यासी, रेखा संतोष खम्परिया और गीता जगदीश साहू उपस्थित रहे।

आयोजन

सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने छात्राओं को अनुशासन और राष्ट्रसेवा का दिया संदेश

कारगिल विजय दिवस : देशभक्ति के रंग में रंगा आयोजन

नवभारत , जबलपुर । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शासकीय मोहनलाल हरगोविंददास गृहविज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के अद्वितीय साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एम.के. दास, पूर्व जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), मध्य भारत एरिया ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना की रणनीतिक दक्षता, अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है।

एनसीसी के माध्यम से अनुशासन, सेवा और राष्ट्रसेवा की भावना सुदृढ़ करने का संदेश

विशिष्ट अतिथि कर्नल दिनेश जायसवाल, कमांडिंग ऑफिसर, एनसीसी 2 एम.पी. गर्ल्स बटालियन ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने छात्राओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा एनसीसी जैसी गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रसेवा की भावना को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। कर्नल (सेवानिवृत्त) ए.एस. चौहान ने कारगिल युद्ध के संस्मरण साझा करते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों का साहस, धैर्य और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर किया गया सम्मानित

इस अवसर पर आयोजित निबंध लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस की छात्राओं की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाया। अनुशासन और संवेदनशील नागरिकता का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ। आभार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन और संवेदनशील नागरिक बनने की भावना को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचिका यादव ने किया तथा तकनीकी सहयोग डॉ. अर्जुन शुक्ला ने प्रदान किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही।

इनका कहना है

आज के आयोजन से हमें कारगिल युद्ध के वीरों के संघर्ष और समर्पण के बारे में विस्तार से जानने का अवसर मिला। यह कार्यक्रम हमें देश के प्रति अपने दायित्वों को समझने और राष्ट्रसेवा के लिए सदैव तैयार रहने की प्रेरणा देता है।

रिया साकेत , एनसीसी कैडेट

एक एनसीसी कैडेट होने के नाते यह आयोजन मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। वीर शहीदों के त्याग और पराक्रम को जानकर देश के प्रति सम्मान और सेवा का भाव और अधिक मजबूत हुआ है।

नीलम ठाकुर , एनसीसी कैडेट

विश्वदीप बुद्ध विहार में आज से शुरू होगा 90 दिवसीय वर्षावास

गौतम बुद्ध की प्रतिमा को फूलों से सजाया जाएगा

नवभारत, जबलपुर। रामपुर स्थित विश्वदीप बुद्ध विहार में आज 29 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा से अश्विनी पूर्णिमा तक 90 दिवसीय वर्षावास का शुभारंभ हो रहा है। आषाढ़ पूर्णिमा एवं गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर सुबह 7 बजे विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा को गोल्डन फूलों से सजाया जाएगा, जिसके बाद सुबह 8 बजे पूज्य भन्ते बोधी रक्खित द्वारा पंचशील झंडे का ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम के अगले चरण में सुबह 9.30 बजे से पूज्य भन्ते बोधी रक्खित द्वारा विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध एवं उपस्थित उपासक-उपासिकाओं के लिए पवित्र परित्राण पाठ एवं धम्मसूत्र पाठ किया जाएगा। दोपहर को सुबह 11 बजे से उपासक और उपासिकाओं द्वारा पूज्य भन्ते रक्खित को भोजन एवं फल का दान दिया जाएगा, साथ ही जो उपासक एवं उपासिकाएं वर्षावास का उपवास रख रहे हैं, उन्हें भी भोजन दान दिया जाएगा। बुद्ध विहार प्रबंधन ने सभी उपासक और उपासिकाओं से शामिल होने की अपील की है।

बोधिसत्व नागार्जुन महाविहार घमापुर में भी होगा आयोजन

बोधिसत्व नागार्जुन महाविहार पूर्वी करिया पाथर, घमापुर में आज 29 जुलाई को विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध की आषाढ़ पूर्णिमा एवं गुरुपूर्णिमा और 90 दिन का वर्षावास का शुभारंभ होने जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन के तहत गुरु पूर्णिमा के दिन से पूज्य भन्ते चन्द्रपाणी द्वारा महाविहार में तीन महीने का कठिन वर्षावास शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे पूज्य भन्ते चन्द्रपाणी द्वारा पंचशील झंडे के ध्वजारोहण के साथ होगी, जिसके बाद सुबह 11 बजे उन्हें भोजन दान दिया जाएगा। दोपहर 1 बजे से पूज्य भन्ते चन्द्रपाणी द्वारा विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध के परित्राण पाठ सहित धम्म एवं संघ सूत्र का पाठ किया जाएगा।